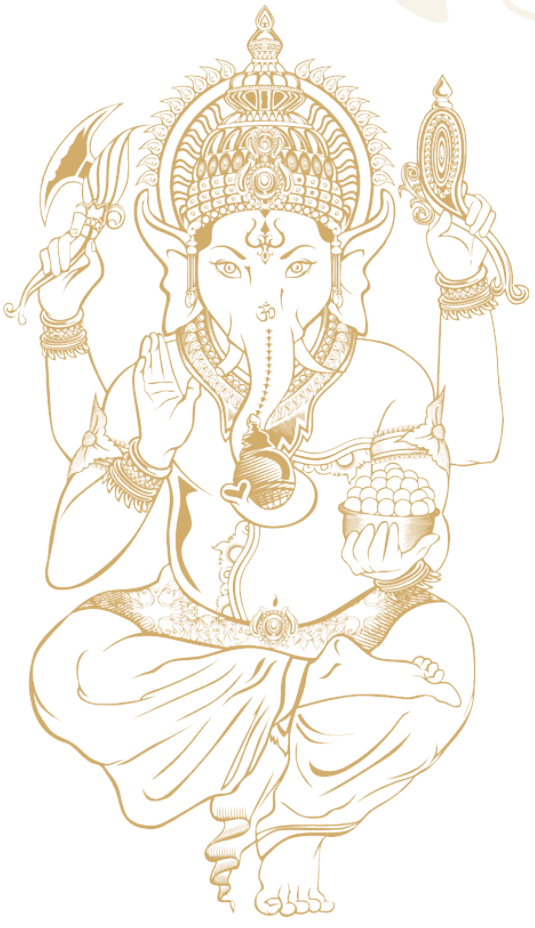

???????? ???????

06 Oct 1986

12:00 PM

Ara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121209602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/1986**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	15:35:59 घटी
स्थान	**Ara**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:34:00 उत्तर
रेखांश	84:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:08:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:08:40 घंटे
वेलान्तर	00:11:44 घंटे
साम्पातिक काल	13:07:11 घंटे
सूर्योदय	05:45:36 घंटे
सूर्यास्त	17:33:15 घंटे
दिनमान	11:47:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:02:34 कन्या
लग्न के अंश	10:47:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:47:42	337:53:58	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			कन्या	19:02:34	00:59:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			तुला	21:45:46	14:21:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			मक	04:50:04	00:31:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			तुला	09:32:23	01:24:13	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	21:05:16	00:06:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			तुला	25:05:14	00:20:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि			वृश्चि	12:08:50	00:05:09	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु			मीन	27:12:01	00:00:28	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु			कन्या	27:12:01	00:00:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	25:20:32	00:01:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप			धनु	09:29:41	00:00:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	12:38:35	00:02:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कन्या	24:32:23	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:13

लग्न-चलित

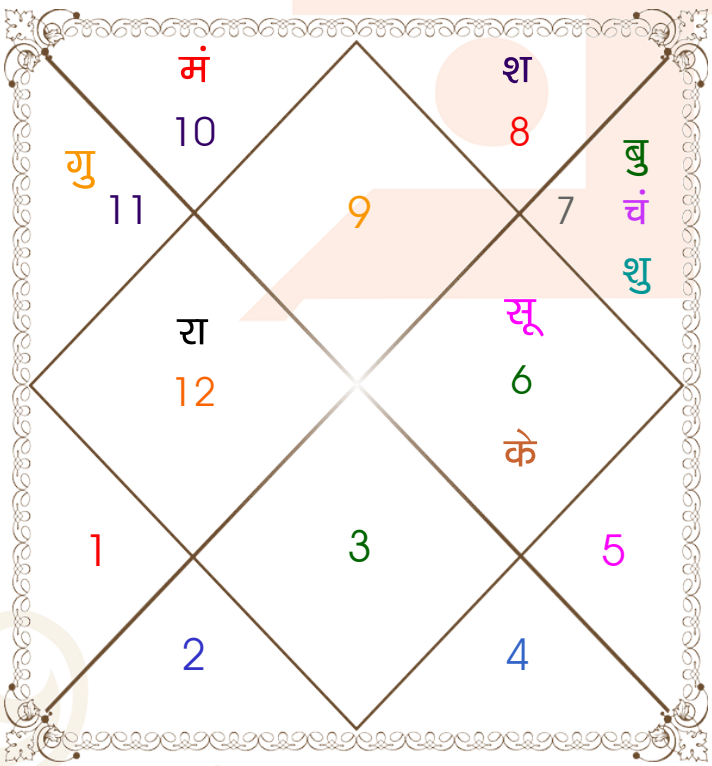

चन्द्र कुंडली

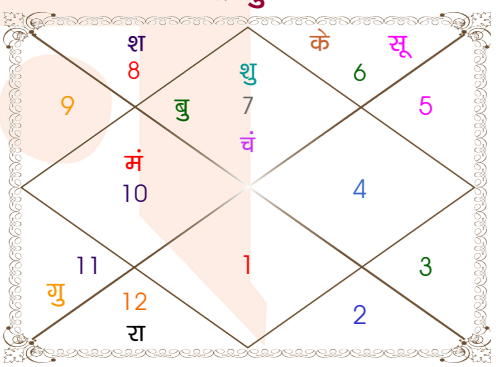

नवमांश कुंडली

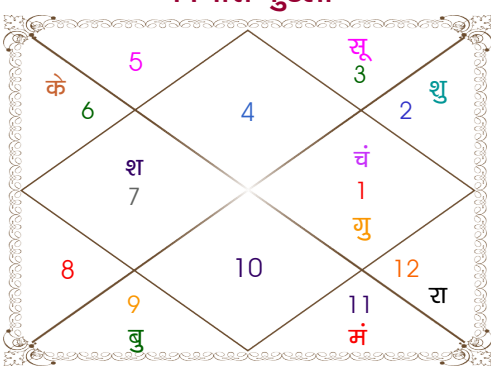

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 10 मास 18 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/10/1986		24/08/2000		25/08/2019		24/08/2036		25/08/2043	
24/08/2000		25/08/2019		24/08/2036		25/08/2043		25/08/2063	
गुरु	13/10/1986	शनि	28/08/2003	बुध	21/01/2022	केतु	20/01/2037	शुक्र	25/12/2046
शनि	25/04/1989	बुध	07/05/2006	केतु	18/01/2023	शुक्र	23/03/2038	सूर्य	25/12/2047
बुध	01/08/1991	केतु	16/06/2007	शुक्र	18/11/2025	सूर्य	28/07/2038	चंद्र	25/08/2049
केतु	07/07/1992	शुक्र	16/08/2010	सूर्य	24/09/2026	चंद्र	27/02/2039	मंगल	25/10/2050
शुक्र	08/03/1995	सूर्य	29/07/2011	चंद्र	24/02/2028	मंगल	26/07/2039	राहु	24/10/2053
सूर्य	25/12/1995	चंद्र	26/02/2013	मंगल	20/02/2029	राहु	12/08/2040	गुरु	24/06/2056
चंद्र	25/04/1997	मंगल	07/04/2014	राहु	09/09/2031	गुरु	19/07/2041	शनि	25/08/2059
मंगल	01/04/1998	राहु	11/02/2017	गुरु	15/12/2033	शनि	28/08/2042	बुध	25/06/2062
राहु	24/08/2000	गुरु	25/08/2019	शनि	24/08/2036	बुध	25/08/2043	केतु	25/08/2063

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/08/2063		25/08/2069		25/08/2079		25/08/2086		25/08/2104	
25/08/2069		25/08/2079		25/08/2086		25/08/2104		00/00/0000	
सूर्य	13/12/2063	चंद्र	25/06/2070	मंगल	21/01/2080	राहु	07/05/2089	गुरु	07/10/2106
चंद्र	12/06/2064	मंगल	24/01/2071	राहु	08/02/2081	गुरु	01/10/2091		00/00/0000
मंगल	18/10/2064	राहु	25/07/2072	गुरु	15/01/2082	शनि	07/08/2094		00/00/0000
राहु	12/09/2065	गुरु	24/11/2073	शनि	23/02/2083	बुध	23/02/2097		00/00/0000
गुरु	01/07/2066	शनि	25/06/2075	बुध	21/02/2084	केतु	13/03/2098		00/00/0000
शनि	13/06/2067	बुध	24/11/2076	केतु	19/07/2084	शुक्र	14/03/2101		00/00/0000
बुध	18/04/2068	केतु	25/06/2077	शुक्र	18/09/2085	सूर्य	06/02/2102		00/00/0000
केतु	24/08/2068	शुक्र	23/02/2079	सूर्य	24/01/2086	चंद्र	08/08/2103		00/00/0000
शुक्र	25/08/2069	सूर्य	25/08/2079	चंद्र	25/08/2086	मंगल	25/08/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।